बैटरी चलित स्प्रे पम्प वितरण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 को भा. कृ. अनु. प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर द्वारा सीहोर जिले के अनुसूचित जाति के कृषक भाइयों व बहनों को, जो की गरीबी रेखा के नीचे अपना जीवन यापन कर रहे है, इफको बाज़ार, इछावर के माध्यम से अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत बैटरी चलित स्प्रे पम्प का वितरण किया गया |

इसके पूर्व भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इन्दौर, के वैज्ञानिकों ने इसकी उपयोगिता व उपयोग करने की विधि के बारे में विस्तार से चर्चा की । ने बताया कि पहले नीम व खजूर आदि पेड़ों की पत्तियुक्त टहनियों से कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जाता था। जिससे शारिरिक श्रम बहुत लगता था व दवाइयों का छिड़काव भी सही प्रकार से नहीं हो पाता था। इस यंत्र की सहायता से शारिरिक श्रम तो कम होगा ही साथ ही महिलायें भी इसका उपयोग आसानी से कर सकेंगी। यंत्रों को चलाने का प्रदर्शन भी किया गया। इस यंत्र की विशेषता यह भी है कि छिड़काव में काम ना आने की स्थिति में रात्रि में बिजली बंद होने पर इसके द्वारा एल.ई.डी. बल्ब के माध्यम से घर में रोशनी भी की जा सकती है।

निदेशक महोदया डॉ. नीता खाण्डेकर ने परियोजना की जानकारी देते हुए कहा कि कमजोर आर्थिक स्थिति वाले कृषक भाइयों एवं बहनों के लिए यह यंत्र काफी मददगार सिद्ध होगा और किसान भाई अपनी फसलों का अधिक उत्पादन ले सकेंगे। उन्होने सोयाबीन की उन्नत किस्मों व फसल विविधिकरण को अपनाने पर भी जोर दिया । कार्यक्रम में निदेशक महोदया, डॉ नेहा पाण्डेय, युवा पेशेवर भवानी सिंह राठोड़, संजय यादव, दुर्गेश कुमार घोरसे व गोकुल पटेल ने किसान भाइयों व बहनों को छिड़काव यंत्रों का वितरण किया।

इसी परियोजना के अंतर्गत महिलाओ को सोयाबीन के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. नेहा पाण्डेय द्वारा दिया गया । जिसमे सोयाबीन से पनीर, भजिये, हलवा, नट्स एवं उपमा आदि व्यंजन बनाकर दिखाए और किसानों और महिला किसानो को खिलाया भी गया ।

इस कार्यक्रम के अंत में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने कृषकों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन श्री भवानी सिंह राठोड़ व आभार प्रदर्शन श्री संजय यादव ने किया।